एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग पर संगोष्ठी

○ अनुसंधान और नवाचार बेहद महत्वपूर्णः प्रो. हिरानी
○ क्षेत्र में रोजगार सृजन करती है : सहगल

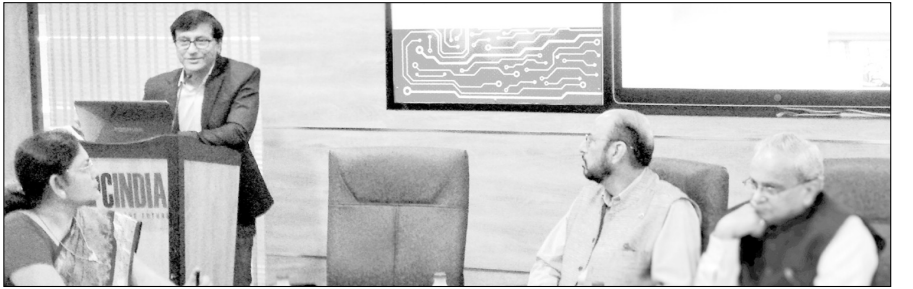

संबोधित करते सीएमईआरआई दुर्गापुर के निदेशक प्रो. हरीश हिरानी। छायाः अभय गिरि

दुर्गापुर। सीएसआईआर-सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीच्यूट, दुर्गापुर, स्वराज और सोनालिका ट्रैक्टर के लिए जाना जाता है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में मैकेनिकल इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में राष्ट्रीयस्तर का अनुसंधान एवं विकास संस्थान है। सीएमईआरआई का उन्नत विनिर्माण केन्द्र सक्रिय रूपसे देश के इंजीनियरिंग उद्योगों को विनिर्माण प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने में लगा हुआ है। कोलकाता में ईईपीसी इंडिया के कॉन्फ्रेंस हॉल, कोलकाता में इंस्टीच्यूट सीएमईआरआई, दुर्गापुर और ईईपीसी इंडिया टेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा संयुक्त रूपसे एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग पर संगोष्ठी किया गया। उद्घाटन सीएमईआरआई, दुर्गापुर के निदेशक डा. प्रो. हरीश हिरानी और ईईपीसी के चेयरमैन रवि सहगल ने किया। प्रो. हरीश हिरानी ने कहा कि विनिर्माण उद्योग दुनिया भर में प्रमुख अर्थशास्त्र की हड्डी है और यह हमारे जैसे देशों में रोजगार सृजन का प्रमुख स्त्रोत हो सकता है। हालांकि, निर्यात बढ़ाने के लिए विनिर्माण क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार बेहद महत्वपूर्ण है। इसके मद्देनजर एमएसएमई को पूर्ण डिजाइन और विनिर्माण समाधान प्रदान करने के लिए सीएमईआरआई में विनिर्माण सुविधाओं को जनशक्ति और मशीनरी के समावेश के संदर्भ में संवर्धित किया गया है। उन्होंने कहा कि सीएमईआरआई, दुर्गापुर में एडवांस मैन्यूफैक्चरिंग सेंटर, छात्रों और उद्यमियों के ज्ञान, कौशल को सुधारने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेगा। देश में विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र में और अधिक नौकरियां पैदा करेगा। रवि सहगल ने कहा कि ईईपीसी इंडिया केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में, ईईपीसी इंडिया ने बेंगलुरू के बाद अब कोलकाता में प्रौद्योगिकी केन्द्र को खोला है। उन्होंने कहा कि सीएमईआरआई, दुर्गापुर, एमएसएमई क्षेत्र में अपनी अग्रिम विनिर्माण प्रौद्योगिकियों और पूर्ण समाधान के साथ वैश्विक बाजार तक पहुंचने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। सीएमईआरआई की सुविधायें न केवल भारत के निर्यात को बढ़ावा देती हैं, बल्कि पूरे देश में विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में नौकरियां का सृजन करती हैं।